बीवाईपीएल ने ग्रिड की बिजली से कराया क्रिकेट मैच संपन्न, नहीं था कोई बैकअप

जेनरेटरों का इस्तेमाल न होने से कार्बन व अन्य गैसों के उत्सर्जन में कमी

नई दिल्लीः 2 नवंबर। दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में पहली बार, बिना किसी पावर–बैकअप के टी–20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच पूरी तरह से ग्रिड की बिजली पर निर्भर था। ऐसे में, मैच के सफल आयोजन को लेकर तमाम आशंकाएं जताई जा रही थीं। लेकिन, बीवाईपीएल के इंजीनियरों ने मैच में बिजली संबंधी व्यवधानों की तमाम आशंकाओं को गलत साबित करते हुए, टी–20 का सफल आयोजन सुनिश्चित किया।

आमतौर पर क्रिकेट मैचों के दौरान पूरे लोड के जेनरेटर सेट्स होते हैं ताकि मैच के दौरान बिजली संबंधी कोई दिक्कत न आए। लेकिन, कोटला मैदान में ऐसा नहीं था क्योंकि दिल्ली–एनसीआर में एनवायरमेंट पॉल्यूशन कंट्रोल अथॉरिटी यानी ईपीसीए ने 18 अक्टूबर को डीजल जेनरेटरों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। बिजली के लिए पूरी तरह से ग्रिड पर निर्भरता होने के बावजूद इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में बिजली की वजह से कोई व्यवधान पैदा नहीं हुआ।

डीडीसीए के पास 1800 किलोवॉट बिजली का कनेक्शन था। उसने 28 अक्टूबर को और 3500 किलोवॉट व 29 अक्टूबर को फिर अतिरिक्त 500 किलोवॉट बिजली के टेंपरेरी कनेक्शन के लिए बीवाईपीएल से संपर्क किया। जबकि, मैच 1 नवंबर को होना था। वहां कुल 5800 किलोवॉट बिजली की जरूरत थी।

अचानक आई बिजली की इस अप्रत्याशित मांग को देखते हुए 5800 किलोवॉट बिजली के हिसाब से नेटवर्क को तैयार करना दुरूह कार्य था। लेकिन, बीवाईपीएल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दिन–रात कार्य किया और न सिर्फ नेटवर्क का विस्तार किया, बल्कि कई तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति भी सुनिश्चित की।

बीवाईपीएल ने अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर बिजली के लोड का सटीक डिस्ट्रिब्यूशन किया। इसके अलावा, फॉल्ट होने से पहले ही उसका अनुमान लगाने वाले उपकरणों का भी इस्तेमाल किया, ताकि मैच के दौरान बिजली की आपूर्ति में कोई व्यवधान आने से पहले ही उसका संकेत मिल जाए और तुरंत उसका समाधान किया जा सके। चूंकि दुनियाभर की नजर इस मैच पर थी, इसलिए प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस के लिए बाहर से एक एक्सपर्ट एजेंसी की भी मदद ली गई। मैच के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिन अत्याधुनिक तकनीकों का इस्मेताल किया गया, उनमें प्रमुख थीं पार्शियल डिस्चार्ज टेस्टिंग, 10 डेल्टा टेस्टिंग, थर्मल स्कैनिंग और डीसी लॉजिक टेस्ट।

अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बिजली की निरंतर आपूर्ति के अलावा, स्थिर वॉल्टेज भी आवश्यक था। क्योंकि, वॉल्टेज में कोई भी उतार–चढ़ाव मैच के प्रसारण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को नुकसान पहुंचा सकता था और प्रसारण बाधित हो सकता था।

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता दिनोंदिन खराब होती जा रही है, ऐसे में बीवाईपीएल ने पर्यावरण को भी बेहतर बनाने में मदद की और हानिकारण गैसों को वातावरण में आने से रोका। अगर जेनरेटरों की बिजली का इस्तेमाल किया जाता, तो वातावरण में करीब 7500 लीटर डीजल का धुआं जाता, जिससे 20 टन सीओ2 यानी कार्बन, 120 किलो नाइट्रोजन व हाइड्रोकार्बन, तथा 4 किलो 2.5 पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम का उत्सर्जन होता, जिससे यहां की हवा और खराब होती।

इस दुष्कर कार्य के सफल समापन पर बीवाईपीएल के सीईओ श्री पीआर कुमार ने कहा– डीडीसीए और डीटीएल के साथ मिलकर बीवाईपीएल सभी चुनौतियों पर खरा उतरी और मैच के दौरान निर्बाध व विश्वसीनय बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रही। बीवाईपीएल टीम ने चौबीसों घंटे काम करके विभिन्न स्रोतों से वहां बिजली पहुंचाई और इतनी भारी मात्रा में बिजली की मांग

को सफलतापूवर्क पूरा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए हमने कोलकाता की एक एजेंसी को भी मदद के लिए बुलाया, जिसे ऐसे कार्यों में महारत हासिल है। हम दिल्ली सरकार और डीईआरसी को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद करते हैं।

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।